

শ্রাম । ত্রিতাল

রাখো রাখো রে জীবনে  
 জীবনবল্লভে,  
 প্রাণমনে ধরি রাখো  
 নিবিড় আনন্দবন্ধনে ॥  
 আলো জ্বালো হৃদয়দীপে  
 অতিনিভৃত্ত অস্তরমাঝে,  
 আকুলিয়া দাও প্রাণ গন্ধচন্দনে ॥

পা II { পক্ষা ধা -১ পা I  
 রা খো • রা • খো

১ ২  
 I মা -১ -১ -গা | মগা ধা পধা -পপা | (-১ -গা -মপা পা) } | গা মা রা রা |  
 রে • • • জী• ব নে• •• • • • রা জী ব ন ব

| -সন্ রা সা -১ I স্ সা -১ ধা পা | স্ সা -১ সা সা | সন্ -রা সা -১ |  
 • ল্ ল ভে • ঞ্ ঞ • ণ য নে • ধ রি রা • • খো •

| রা ন্ সা সা I রগা -মা মগা সসা | -রা রা সসা -রগা | -মপা -গা -পা পা II  
 নি বি ড় আ ন• ন্ দ ব• ন্ ধ নে• •• •• • • "রা"

-১ -গা -মপা পা II { না -ধা না সর্গা I  
 • • •• আ লো • আ লো

সর্গা সর্গা সর্গা নর্গা | -সর্গা সর্গা সর্গা না | ধা না সর্গা র্গা | -১ -১ সর্গা সর্গা I  
 হৃ দ র দী• •• পে অ ভি নি ভূ ত অ • ন্ ত র

I नर्री -सर्सा -ा -धा | (-पा क्पा -धना -सा | -धा -सा -ा पा)} | पा -ा पा ना  
 मा. . . . . ये. . . . . आ ये . आ कू

| धा पक्का गा -मगा | क्का पा र्मा -र्मा I र्री सर्ना -र्री र्सा | पपा -धना -सर्सा -सर्ना  
 लि र्रा . दा . उ प्रा ण ग न् ध च . न् द ने . . . . .

| -धपा -पगा -पा पा II II  
 . . . "रा"